हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, मंगलवार, 4 मार्च 2025

11 मनोहर मेमोरियल कॉलेज में 10 दिवसीय संस्कृत कार्यशाला का...

12 गुलाबी सुंडी की रोकथाम के लिए बनछटियों के ढेर को झाड़कर...

खबर संक्षेप

दहेज प्रताड़ना से परेशान महिला ने लगाई फांसी

फतेहाबाद/भूना। दहेज प्रताडऩा से परेशान होकर एक युवती द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। इस बारे सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले में पुलिस ने मृतका के ससुरालजनों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में काली कांकरा, भूथन खुर्द निवासी मोनू ने कहा है कि उसकी बहन 24 वर्षीय ऊषा की शादी करीब 2 साल पहले गुरमीत पुत्र गुरदित्त सिंह निवासी ढाणी रायपुर के साथ हुई थी।

डीएसपी की गाड़ी को निजी बस ने मारी टक्कर

फतेहाबाद। शहर के पुराना बस स्टैंड के पास पंचायत भवन के सामने सोमवार सुबह डीएसपी की गाड़ी को निजी बस ने टक्कर मार दी। गाड़ी में डीएसपी कुलवंत सिंह खुद मौजूद थे। बस की टक्कर से गाड़ी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई हालांकि डीएसपी कुलवंत को और उनका चालक बाल-बाल बच गए। घटना की सूचना मिलते ही शहर पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। हालांकि कार्रवाई के बाद पुलिस ने बस को मौके से रवाना कर दिया।

रिटायर्ड कर्मचारी संगठन की मासिक बैठक आज

फतेहाबाद। रिटायर्ड कर्मचारी संगठन फतेहाबाद की मासिक बैठक 4 मार्च मंगलवार को प्रातः 10 बजे पुराना बस स्टैण्ड, जाट धर्मशाला के पास स्थित रेस्ट हाऊस में होगी। इस मीटिंग में रिटायर्ड कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर जहां चर्चा की जाएगी वहीं जिला कमेटी का चुनाव भी करवाया जाएगा। चुनाव पर्यवेक्षक के तौर पर पूर्व कर्मचारी नेता निहाल सिंह मताना मौजूद रहेंगे। यह जानकारी देते हुए संगठन के महासचिव सुभाष चन्द्र चौहान व खंड फतेहाबाद प्रधान कैलाश प्रसाद ने बताया कि इस बैठक की अध्यक्षता संगठन के जिला प्रधान मुंशीराम कम्बोज करेंगे।

संदिग्ध अवस्था में छत से गिरने से युवक की मौत

सिरसा। गुरु द्वारा चिल्ला साहिब के पास बीती रात एक युवक मकान की छत से नीचे गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। सुबह घटना की सूचना मिलने पर शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। जानकारी के अनुसार पंजाब के गुरदासपुर क्षेत्र निवासी 25 वर्षीय युवक सिरसा की पैथोलॉजी लैब में कार्यरत था। वह हुडा क्षेत्र में किराये का कमरा लेकर रहता था। रविवार रात को वह अपने दोस्त सुनील के पास उसके घर रूका हुआ था। बताया जा रहा है कि वह सुनील के घर छत पर खिडक़ी के पास सोया हुआ था। अचानक वह नीचे गिर गया। सुबह करीब चार बजे पड़ोस के लोग उठे तो उन्होंने नीचे एक युवक को गिरे देखा।

महिला 4 साल के बेटे सहित लापता, साथ ले गई गहने

फतेहाबाद। जिले के जाखल क्षेत्र से एक महिला के चार वर्षीय लडक़े के साथ लापता होने का समाचार है। इस बारे महिला के पति द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव तलवाड़ा निवासी एक व्यक्ति ने कहा है कि उसकी 25 वर्षीय पत्नी गत दिवस बिना घर पर बताए कहीं चली गई है और उसके बाद वापस घर नहीं लौटी है। इस पर उन्होंने काफी जगह उसकी तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला तो उसने इस बारे शिकायत दर्ज करवाई। युवक ने कहा कि उसकी पत्नी 4 साल के लड़के को लेकर एक कार में गई है और वह अपने साथ करीब अढ़ाई तोले सोने के गहने, चांदी के गहने और 70 हजार रुपये की नकदी भी अपने साथ ले गई है।

उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने जिलेभर के परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

बोर्ड परीक्षाओं में नकल रोकने को लेकर सख्ती

पेपर लीक होने पर सेंटर सुपरिटेंडेंट व प्राचार्य पर होगी एफआईआर : उपायुक्त

गड़बड़ी की स्थिति में दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं को नकल रहित और पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में उपायुक्त मनदीप कौर और पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि किसी परीक्षा केंद्र पर पेपर लीक होने या नकल करवाने का मामला सामने आता है, तो संबंधित परीक्षा केंद्र के सुपरिटेंडेंट और चीफ सुपरिटेंडेंट यानि स्कूल प्राचार्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और उनके विरुद्ध तुरंत एफआईआर दर्ज की जाएगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त मनदीप कौर ने गांव भोडिया खेड़ा स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, राजकीय उच्च विद्यालय, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भट्टूकलां व पीलीमंदोरी, चिंदड़, एमपी रोही व पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय फतेहाबाद में बनाए गए परीक्षा केंद्र का दौरा किया। उन्होंने परीक्षा केंद्र में तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे परीक्षाओं को शांतिपूर्ण और नकल रहित माहौल में संपन्न करवाने के लिए पूरी सतर्कता बरतें। डीसी व एसपी ने सभी केंद्र अधीक्षकों और स्कूल प्राचार्यों को चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी ने परीक्षा केंद्रों के बाहर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि हर परीक्षा केंद्र के बाहर पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई है, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोका जा सके। उन्होंने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान किसी भी संदिग्ध गतिविधि न होने दी जाए।

फतेहाबाद। परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करती डीसी मनदीप कौर व एसपी आस्था मोदी। फोटो :हरिभूमि

परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के लिए लगाए गए 500 से अधिक पुलिस कर्मी

एसपी आस्था मोदी ने बताया कि बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। प्रत्येक परीक्षा केंद्रों पर छह पुलिस कर्मी लगाए गए है। इसके अलावा जोन बनाकर पीसीआर भी तैनात की गई है जिसमें सुरक्षा कर्मी निरंतर निगरानी कर रहे हैं। डीएसपी, एसएचओ, चौकी इंचार्ज सहित लगभग 500 पुलिस कर्मी सुरक्षा के लिए परीक्षा केंद्रों पर तैनात किए गए है। संबंधित गांवों के सरपंचों से भी तालमेल किया गया है और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में उनका सहयोग लिया जा रहा है।

जिला में 10 फ्लाइंग टीमें बनाई

परीक्षाओं को सुचारू रूप से संपन्न करवाने के लिए जिला प्रशासन ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की फ्लाइंग स्क्वायड के अलावा एचसीएस अधिकारियों की फ्लाइंग स्क्वायड सहित 10 टीमें गठित की है जो अपने निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर निरीक्षण करेगी। एचसीएस अधिकारियों के साथ डीएसपी भी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करेंगे। जिला में 64 परीक्षा केंद्र बनाए गए है जिनमें 10वीं और 12वीं के 22149 परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा बीएनएस के तहत धारा 163 लागू की है।

सुपरवाइजर गेट पर हो तैनात : डीसी

डीसी मनदीप कौर ने सभी परीक्षा केंद्रों के अधीक्षकों और प्राचार्यों को निर्देश दिए है कि वे स्कूल के गेट पर एक सुपरवाइजर तैनात करें जो परीक्षार्थी की मदद करे। उन्होंने कहा कि कई बार परीक्षार्थी गलत परीक्षा केंद्र पर पहुंच जाते हैं तो उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, इसलिए उनकी सहायता के लिए गेट पर ही एक कर्मी तैनात किया जाए जो उन्हें उचित दिशा निर्देश दे सके। इसके अलावा टाइम टेबल भी गेट के पास चस्पा किया जाए ताकि परीक्षार्थी अपना रूम नंबर समय रहते देख ले।

फतेहाबाद। परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण के दौरान डीईओ से बातचीत करते डीसी मनदीप कौर व एसपी आस्था मोदी।

नकल रहित परीक्षाएं करवाने के लिए एसडीएम ने ली बैठक, दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

एसडीएम सुरेश कुमार ने सोमवार को शिक्षा विभाग व स्कूल प्राचार्यों के साथ बैठक कर परीक्षाओं को नकल रहित बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों को पूरी ईमानदारी और सतर्कता से अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी रूटीन में परीक्षा केंद्रो की चेकिंग करेंगे। एसडीएम सुरेश कुमार ने निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा केंद्रों की चारदीवारी, खिड़कियां, दरवाजे आदि पूरी तरह सुरक्षित और दुरुस्त होने चाहिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन ले जाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। सभी परीक्षा केन्द्रों पर बिजली, पेयजल, शौचालय व साफ-सफाई की पुख्ता व्यवस्था सुनश्चित की जाए। एसडीएम ने मीटिंग में स्कूल विभाग के अधिकारियों को परीक्षाओं को शांतिपूर्ण व नकल रहित संपन्न करवाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी अनीता बाई सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बोर्ड परीक्षा को लेकर अर्पित संगल ने परीक्षा केंद्र का किया औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ऐलनाबाद

एसडीएम अर्पित संगल ने बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर ऐलनाबाद के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में बने परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्र में जरूरी उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों पर लापरवाही न बरतने की हिदायत देते हुए कहा कि सीसीटीवी, बिजली, पानी, शौचालय आदि सभी प्रकार की व्यवस्थाएं सुचारू रहें। परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। अगर कही भी अनियमितता पाई गई तो संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षा के दौरान समय-समय पर टीमें निरीक्षण कर रही है। कहीं भी कोई लापरवाही पाई गई तो कड़ा संज्ञान लेंगे।

सिरसा। परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते एसडीएम।

प्रवासी श्रमिकों के बच्चों के लिए तीन जगह और खुलेंगे स्कूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

ईंट भट्ठा पर काम करने वाले श्रमिकों के बच्चों को बुनियादी शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए सिरसा के बाद डिंग मंडी, डबवाली व ऐलनाबाद में भी आंचल स्कूल शुरू करवाए जाएंगे। सिरसा के रंगड़ी रोड पर इस अनूठी पहल के तहत बुनियादी शिक्षा के लिए सिरसा आंचल स्कूल शुरू किया गया है। स्कूल में ईंट भ_ों पर कार्यरत श्रमिकों के 40 बच्चे पढाई कर रहे हैं। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक मुकेश कुमार ने बताया कि ईंट भट्ठों पर कार्यरत प्रवासी श्रमिकों के बच्चे परिवार के साथ यहां पर आते हैं, जोकि करीब छह माह यहां कार्य करते हैं। इस दौरान उनके बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते हैं और शिक्षा से संबंधित किसी दूसरी का स्कीम का भी लाभ नहीं ले पाते हैं। इसलिए अतिरिक्त उपायुक्त लक्षीत सरीन ने ईंट भट्ठा के श्रमिकों के लिए अलग से बुनियादी शिक्षा का प्रबंध करने पर जोर दिया। उन्होंने ऐसे बच्चों की पहचान कर उन्हें शिक्षा से जोडऩे का कार्य खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को दिया ताकि कलस्टर की पहचान की जा सके। उन्होंने बताया कि समय-समय पर अधिकारियों द्वारा इस स्कूल का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जाता है। उन्होंने बताया कि आरंभिक स्तर पर पहले रंगड़ी रोड पर सुरखालिया ईंट भ_ पर सिरसा आंचल स्कूल खोला गया है, जहां संपर्क फाउंडेशन की ओर से ऑडियो वीडियो के माध्यम से बुनियादी शिक्षा का प्रबंध किया गया है। यहां स्कूल खोलने से पहले इसी तरह पूर्व में संचालित किए गए विभिन्न जिलों झज्जर, जींद व पटियाला के स्कूलों की जानकारी जुटाई गई थी।

■ डिजिटल रूप से अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवा रहा है संपर्क फाउंडेशन- ईंट-भट्ठों पर तैयार हो रही देश के भावी भविष्य की नींव

सीडीएलयू में बने स्ट्रांग रूम में थ्री लेयर सिक्योरिटी में रखी ईवीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

■ सुरक्षा के लिए एक कंपनी तैनात, सीसीटीवी से भी निगरानी

सिरसा नगर परिषद चुनाव की मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न होने के बाद सभी ईवीएम को चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय (सीडीएलयू) के मल्टीपर्पज हाल में बनाए गए स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा गया है। यहां दो स्ट्रांग रूम बनाए गए हैं, जिसमें से एक में चेयरमैन पद की ईवीएम रखी गई है तथा दूसरे में पार्षद पद की ईवीएम को रखा गया हैं। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम राजेंद्र कुमार ने बताया कि ईवीएम की सुरक्षा के लिए थ्री लेयर सिक्योरिटी की व्यवस्था की गई है, जिनमें से पहली दो लेयर पुलिस की इंडियन रिजर्व बटालियन के पास रहेगी जबकि तीसरी लेयर की जिम्मेवारी सिरसा पुलिस को सौंपी गई है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक कंपनी तैनात की गई है तथा इस क्षेत्र में 10 पेट्रोलिंग पार्टियां गश्त पर तैनात है। स्ट्रांग रूम पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जिला प्रशासन ने तीन मजिस्ट्रेट की नियुक्त किए है, जो आठ-आठ घंटे की शिफ्ट में ईवीएम की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया कि नगर परिषद चुनाव के लिए कुल 143 मतदान केंद्र बनाए गए थे। सिरसा में कुल मतदाता संख्या एक लाख साठ हजार 36 थी, जिसमें से 56.4 प्रतिशत यानी 90 हजार 240 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

कार ने पीछे से बाइक में मारी जोरदार टक्कर, बाइक सवार युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गांव भूथन के समीप एक तेजगति कार ने आगे चल रहे एक मोटरसाइकिल में पीछे से टक्कर दे मारी। इस हादसे में बाईक सवार युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जांच अधिकारी एसआई रामपाल ने बताया कि सोमवार को नागरिक अस्पताल फतेहाबाद में मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।पुलिस को दी शिकायत में गांव चंदड़ कलां निवासी राजेश कुमार ने कहा है कि वह किसी काम से बाईक पर सवार होकर गांव बरसीन आया हुआ था। उसका भाई पवन कुमार साबरकांठा अमूल डेयरी में बतौर रूट सुपरवाइजर के पद पर काम करता है। गत दिवस पवन पर ड्यूटी पर था। गांव झलनियां से दोनों भाई अपने-अपने बाईक पर सवार होकर जा रहे। वह अपने गांव चंदड़ कलां जा रहा था जबकि पवन अपनी ड्यूटी पर रूट चैक करते हुए भूना की तरफ जा रहा था। जैसे ही वह गांव भूथन रोड पर पहुंचे तो सामने से आ रही एक कार के चालक ने कार को लापरवाही व तेजगति से चलाया और पवन के मोटरसाइकिल में पीछे से जोरदार टक्कर दे मारी।

मांग | भूमिगत जल के चलते लोगों में बढ़ रहे जल जनित रोग, कैंसर के भी बढ़ रहे केस

रानियां क्षेत्र में शुद्ध पेयजल आपूर्ति को लेकर सांसद सैलजा ने मुख्यमंत्री सैनी को पत्र लिखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री नायब सैनी को पत्र लिखकर घग्गर नदी क्षेत्र के रानियां ब्लॉक के गांवों में लोग भूमिगत दूषित और कैमिकल युक्त पानी पीने को मजबूर है लोग जनजनित रोगों और कुछ कैंसर रोग की चपेट में आ चुके है। ऐसे में इस क्षेत्र में शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चत की जाए। साथ ही जो लोग बीमार है उनके स्वास्थ्य की जांच के लिए गांवों में मेडिकल टीमें भेजी जाए। सांसद ने लिखा है कि कई साल पहले संतनगर को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए एक योजना मंजूर हुई थी जिसके लिए दलीप नगर में जल उपचार संयंत्र भी स्थापित किया गया था पर अभी तक कुछ नहीं हुआ। ऐसे में आपसे अनुरोध है कि रानियां हलका में भाखाडा नहर से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की व्यवस्था कराई जाए, स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच करवाई जाए और कैंसर रोगियों के ईलाज की व्यवस्था सरकारी खर्च पर कराई जाए।

कई सालों के करना पड़ रहा संघर्ष

मुख्यमंत्री नायब सैनी को लिखे पत्र में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि उनके संसदीय क्षेत्र के रानियां विधानसभा हलका के कुछ गांवों के गणमान्य लोगों विशेषकर गांव संतनगर के ग्रामीणों ने अवगत कराया कि उन्हें पीने के शुद्ध पानी के लिए कई सालों से संघर्ष करना पड़ रहा है। इस हलका के अधिकतर गांव के लोग भूमिगत जल पर ही निर्भर है। इस क्षेत्र में बहने वाली घग्घर नदी का जल पूरी तरह से प्रदूषित हो चुका है जिसके प्रभाव से भूमिगत जल भी प्रदूषित और विषाक्त हो गया है। पहले कुछ गांवों में शुरू पानी की आपूर्ति भांखडा नहर से की जाती थी जिसे बाद में बंद कर दिया गया।

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
4 मार्च 2025

सहेली

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस
विशेष

हर दिन लिखतीं नई कहानी

एक दौर था, जब आधी आबादी की स्थिति बहुत दयनीय थी, वह तमाम संकटों-यातनाओं से घिरी थी, दूसरों पर पूरी तरह निर्भर थी, उसका कोई अस्तित्व नहीं था। लेकिन समय के बदलाव के साथ स्त्रियों की स्थिति बदली, वे आत्मनिर्भर बनीं। उन्होंने नई इबारत लिखनी शुरू की। आज की स्त्रियां विकासोन्मुखी हैं, उनकी अपनी एक अस्मिता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) पर अतीत से लेकर अब तक आधी आबादी के बदलते परिदृश्य पर एक विहंगम दृष्टि।

आवरण कथा

क्षमा शर्मा, साहित्यकार

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, 8 मार्च का दिन इस लेखिका को पचास साल पहले ले जाता है, जब गांव में घर की फर्श पर लेटी थी कि रेडियो पर खबर आई कि संयुक्त राष्ट्र ने यह साल यानी कि 1975 को अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष घोषित किया है। उन दिनों इतनी समझ नहीं थी, लेकिन बाद में समझ में आया कि जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी दिवस को मनाने की घोषणा की जाती है तो इसका मतलब होता है, जिसके बारे में यह घोषणा की गई है, उसके बारे में सोचना, जागरूक होना। दुनिया भर में सरकारों से उनके समर्थन में नीतियां बनवाना। उन्हें लागू कराना।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ी महिलाएं: एक जनगणना में यह भी बात सामने आई कि अब गांवों में भी महिला शिक्षा और उनकी आत्मनिर्भरता पर जोर है। महिलाओं की आत्मनिर्भरता ने उन्हें बताया कि अब वे पैसे-पैसे के लिए किसी और की मोहताज नहीं हैं। वे पैसे कमा सकती हैं, जैसा चाहे वैसा जीवन जी सकती हैं। वर्ना तो हमारी दादी-नानियों में बहुतों का कहना था कि उन्होंने कभी अपने हाथ में सौ रुपए भी नहीं देखे हैं। उस पीढ़ी की स्त्रियों का जीवन घर से घर तक खत्म हो जाता था। वे बाहर की दुनिया के बारे में जानती तक नहीं थीं। उन्होंने शायद ही कभी बाजार के दर्शन किए थे या अपने लिए कभी कुछ खरीदा था। वे खाना, कपड़े, इलाज सभी के लिए घर के पुरुषों पर ही निर्भर थीं।

यातनाओं से घिरी स्त्रियों का वो दौर: एक जमाना था जब स्त्रियां तमाम तरह की मुसीबतें-यातनाएं सहती थीं। विधवा हो जाएं तो घर से निकाल दी जाती थीं। बच्चे न हों, तो बांझ कह कर दूसरा ब्याह पुरुष कर लेते थे। घरेलू हिंसा आम बात थी। दहेज के तो कहने ही क्या। स्त्री दहेज कम लाई इसके ताने उसे जीवन भर सुनने पड़ते थे। स्टोव अकसर उसके ऊपर ही फटते थे। लड़की के मायके वालों की हैसियत हो, न हो, बच्चे के जन्म से लेकर हर त्योहार, उसके परिवार वालों से तरह-तरह के सामान की मांग की जाती थी। वह एक ऐसी सेविका होती थी, जो मुंह सिलकर बस सेवा करने के लिए बनी थी। मुंह से उफ निकली नहीं कि तरह-तरह की हिंसा की शिकार हुई नहीं। स्त्री की मृत्यु का कोई मतलब नहीं था। पुरुष विधुर होते ही दूसरी शादी कर लेता था, लेकिन स्त्री को विधवा होने का अभिशाप झेलना पड़ता था। हमारी आजादी के नायकों और पुनर्जागरण के नायकों ने इस बात को समझा था, इसीलिए विधवा विवाह का आंदोलन देश भर में चलाया गया था। बेमेल विवाह और बाल विवाह के विरोध में भी आंदोलन चले थे। हम वह समय भी याद करें, जब शादी को स्त्री का सबसे बड़ा धर्म माना जाता था। बचपन से ही उसके सामने कहा जाता था लड़कियां तो पराए घर की होती हैं। अपने माता-पिता का घर तो जैसे उसका अपना होता नहीं था और जिस घर में जाती थीं, वहां उन्हें हमेशा अहसास कराया जाता कि वह बाहर से आई हैं। यानी कि वह इस धरती पर बोझ की तरह थीं। इसका बड़ा कारण यह था कि उनके परिश्रम की अनदेखी की जाती थी। घर में रह कर चाहे चौबीस घंटे काम करें, लेकिन उससे कोई पैसा तो कमाती नहीं थीं, इसीलिए इस श्रम का कोई मूल्य भी नहीं था। उन्हें हर एक के अहसान के तले जिंदा रहना पड़ता था।

आजादी के बाद महिलाओं को मिले अधिकार: हमारे लोकतंत्र, आजादी की लड़ाई ने ही स्त्रियों की भूमिका को रेखांकित किया था। वोट के लिए उन्हें कोई संघर्ष भी नहीं करना पड़ा, जबकि अमेरिका जैसे देश में वोट का अधिकार पाने के लिए औरतों को सत्तर साल तक लड़ाई लड़नी पड़ी थी। इसके अलावा मीडिया की आलोचना भी खूब सहनी पड़ी थी, जबकि भारत में आमतौर पर मीडिया का साथ महिलाओं को मिला। उनकी समस्याओं को खूब उठाया गया। आज तक उठाया जाता है। महिलाओं के पक्ष में बहुत से कानून बने। यदा-कदा उनका दुरुपयोग भी होता है, लेकिन कुल मिलाकर ये कानून स्त्रियों को उनकी आफतों से मुक्ति दिलाने के लिए ही बनाए गए थे। घरेलू हिंसा, दहेज विरोधी अधिनियम, दुष्कर्म के खिलाफ कानून, स्त्रियों को संपत्ति में अधिकार, लिंग परीक्षण के खिलाफ ऐसे ही कानून हैं, जिनकी मूल प्रतिज्ञा स्त्रियों की रक्षा करना ही है।

आज की स्त्रियां: आज इक्कीसवीं सदी अपने पचीसवें वर्ष में जब प्रवेश कर चुकी है, तो हम देखते हैं कि इस दौर में स्त्रियों की दुनिया बदल गई है। अब वे दबी-कुचली इमेज को स्वीकार नहीं कर सकतीं। वे दबी-कुचली हैं भी नहीं। जिस तरफ देखें, सफलता के परचम लहराती नजर आती हैं। कहा जाता था कि राजनीति में स्त्रियों की कोई जगह नहीं है, लेकिन आजकल वे अपनी वोट और शिक्षा की ताकत से सरकारें बना रही हैं। पुरुषों से अधिक संख्या में वोट दे रही हैं। यही नहीं वे किसे वोट देंगी, इसका चुनाव खुद कर रही हैं न कि अपने घर के पुरुषों की इच्छानुकूल व्यक्ति को वोट दे रही हैं।

आजादी से रहना चाहती हैं लड़कियां: बदले हुए दौर में अब लड़कियों के लिए शादी उनकी प्राथमिकता नहीं रही। अपने देश में तो लड़की अठारह साल की हुई नहीं कि उसे ब्याहने का रिवाज था। लेकिन इन दिनों पढ़ी-लिखी लड़कियां या तो शादी ही नहीं करना चाहतीं या कहती हैं कि जब उन्हें लगेगा तब शादी करेंगी। अथवा जब कोई पसंद आएगा तब सोचेंगी। आजकल लड़कियां बड़ी संख्या में देश-विदेश घूम रही हैं। अपनी नजरों से दुनिया देख रही हैं। आनंद उठा रही हैं।

मिली है स्वायत्तता-स्वतंत्रता: आज की स्त्री इतिहास के एक ऐसे मोड़ पर है, जहां वह अपनी स्वायत्तता और स्वतंत्रता को प्राप्त कर रही है। पहले आजाद ख्याल स्त्री को बिगड़ैल कहा जाता था, लेकिन अब स्त्रियां अपनी आजादी को सबसे महत्वपूर्ण मानती हैं। वे हर क्षेत्र में दिखाई दे रही हैं। राजनीति और मीडिया में छाई हुई हैं। वे उन क्षेत्रों में कदम-ताल कर रही हैं, जहां पहले कभी नहीं देखी गईं। सरकारें उनकी ताकत को पहचान रही हैं। हर दल के मेनिफेस्टो में उन्हें जगह मिल रही है। अब सरकार भी घरों की रजिस्ट्री स्त्रियों के नाम कर रही है, जिससे कि कभी उन्हें घर से न निकाला जा सके। सचमुच यह एक नई स्त्री है। इसे पुराने विचार और चश्मे से नहीं देखा जा सकता।

बदल गया परिदृश्य

संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष मनाए जाने की घोषणा के बाद अपने देश में भी परिदृश्य बदलने लगा। बहुत से महिला संगठन बने। हर साल इस दिवस पर बड़े-बड़े जुलूस निकाले जाते। स्त्रियों के प्रति जो भी अन्याय या अत्याचार हो रहा है, उनकी परेशानियां क्या हैं? इस पर बात होने लगी। लेख छपने लगे। सरकारी नीतियों में उन्हें प्राथमिकता मिलने लगी। वे अधिक से अधिक शिक्षित हों, आत्मनिर्भर हों इसकी योजनाएं बनने लगीं। क्रियान्वयन भी होने लगा। सरकारी जॉब्स हों या प्राइवेट, जहां एक्का-दुक्का महिलाएं नजर आती थीं, देखते-देखते महिलाओं की संख्या बढ़ती गई। कहने का यह मतलब है कि महिलाओं को पढ़ना-लिखना चाहिए, उन्हें आत्मनिर्भर बनना चाहिए, इसे जैसे हमारे समाज ने स्वीकार कर लिया था।

सशक्तिकरण के लिए चाहिए
पुरुषवादी सोच से मुक्ति

यह कतई जरूरी नहीं कि समाज में बराबरी का दर्जा पाने, सशक्त बनने के लिए महिलाएं, पुरुषों का हमेशा विरोध करें। वास्तव में सशक्तिकरण के लिए पुरुषवादी सोच से मुक्ति पाना जरूरी है। इसके लिए वे कैसे और किस स्तर पर प्रयास कर सकती हैं, यह सभी महिलाओं के लिए जानना जरूरी है।

बदलाव

चेतना झा

लगभग हर वर्ष 8 मार्च यानी महिला दिवस पर एक सवाल इसके औचित्य पर उठता है। साथ ही पूछा जाने लगता है कि महिलाएं मुक्ति आखिर किनसे चाहतीं हैं? अपने पिता, पति, भाई या बेटे से या दुनिया के तमाम पुरुषों से? इस मामले को गंभीरता से समझे जाने की जरूरत है। वास्तव में महिलाओं की लड़ाई पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थापित कर दी गई, उस पुरुषवादी मनोवृत्ति से है, जो महिलाओं को खुद से कमतर समझते हैं।

बच्चों का हित सबसे अहम: हम जानते हैं कि लाख विरोध, लाख संघर्ष के बावजूद स्त्री और पुरुष के बीच का मतभेद या संघर्ष दो देश, दो नस्ल, दो जाति, दो दल या दो वर्ग की लड़ाई नहीं है। स्त्री-पुरुष में जो भी हारता या पिछड़ता है, लेकिन इससे प्रभावित दोनों की जिंदगियां होती हैं। परिवार और बच्चे पर भी इसका असर पड़ता है। शायद यही कारण है कि तमाम कानून से वाकिफ रहने के बावजूद महिलाएं कई बार चुप्पी अपना लेती हैं। पर इस चुप्पी को सही नहीं ठहराया जा सकता है। आवाज उठानी ही चाहिए।

अन्याय का विरोध जरूरी: अगर आप, आपके परिवार, पड़ोस या गांव में कोई महिला पीड़ित है तो इसका मतलब है कि और भी कई महिलाएं इस दर्द से गुजर रही हैं। अकसर हम घर परिवार की इज्जत, समाज क्या कहेगा आदि के नाम पर उफ तक नहीं करते। महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रही महिलाओं ने इस सूत्र की पहचान कर अपने अनुभवों का निचोड़ देते हुए कहा है कि पर्सनल इज पॉलिटिकल। एक के प्रतिरोध में दूसरी कई महिलाओं की तकलीफों का इलाज छिपा है। इसलिए अन्याय किसी महिला के साथ हो, विरोध जरूरी है।

हम पुरुष नहीं बनना चाहते: महिला दिवस पर एक बार फिर हम महिलाएं कहना चाहती हैं कि हम महिला दिवस मनाते हैं, फेमिनिस्ट हैं, इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि हम पुरुष बनना चाहते हैं यानी उनकी सोच अपनाना चाहते हैं। सच यही है कि हमें अपनी प्राकृतिक संरचना पर गर्व है। जो हमारी शारीरिक-मानसिक संरचना है, हमें बेहद प्रिय है। हमें मातृत्व से मुक्ति नहीं चाहिए, मुक्ति चाहिए पुरुषों की उस सोच से, जो हमें जन्म देने वाली मशीन समझता है। मुक्ति चाहिए उस अमानवीय सोच से, जो स्त्रियों के शरीर को बस भोग्य समझता है।

मुक्ति पूर्वाग्रह से: 'त्रिया चरित्रं .. देवो न जानाति' ऐसे जाने कितने पूर्वाग्रह पुरुषों ने पीढ़ियों से अपने मन में बसा रखे हैं। हमें उनके ऐसे पूर्वाग्रहों से मुक्ति चाहिए। जी हां, हम जानते हैं कि दोषी पुरुष नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था है, जो जन्म से मृत्यु तक पुरुषों को एक ही पाठ पढ़ाती है कि महिलाएं उनसे कमतर हैं। उनके भोग के लिए हैं। घर संभालना और बच्चे जन्म देना ही उनका काम है। नन्हा-सा बच्चा रोने लगता है तो पुरुष सदस्य झट से कहते हैं, ये क्या लड़कियों की तरह रोने लगे? दरअसल, दोषी वही बातें हैं, जो जाने-अनजाने बच्चों के मन में यह बात पैठ करा देती हैं कि लड़कियां कमतर हैं।

संकीर्ण सोच से मुक्ति: आज जरूरत इस बात की है कि हम काम या प्रवृति को औरताना और मर्दाना खाने में बांटना बंद कर दें। हम महिलाएं शर्माती हैं, अधिक महत्वाकांक्षा नहीं पालतीं, चूहों-काक्रोच से डरती हैं, तो ऐसे में दरकार हमारे खुद के इन गुणों, संकीर्ण सोच से मुक्ति की है। साथ ही जरूरत अपने बच्चों को ऐसे संस्कार देने की भी है कि वे उसे ही हीन न समझने लगें, जो कोख में रख कर उन्हें जीवन देती है।

आत्मप्रेरणा

सरस्वती रमेश

सशक्तिकरण की ओर स्वयं बढ़ाएं कदम

महिला दिवस के आस-पास महिला सशक्तिकरण की चर्चा हर तरफ से सुनाई देने लगती है। हालांकि सरकार से लेकर अनेक गैर सरकारी संस्थाएं और संगठन, महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य भी कर रही हैं। लेकिन हमें ध्यान रखना चाहिए कि कोई भी सामाजिक परिवर्तन केवल संस्थागत प्रयासों से सफल नहीं हो सकता। इसके लिए जमीनी स्तर पर कार्य होना आवश्यक है। कहने का तात्पर्य यह है कि अगर हर महिला को सशक्त बनाना है तो सभी महिलाओं को इसके लिए जागरूक करना पड़ेगा, ताकि महिलाएं स्वयं सशक्त बनने की दिशा में आगे बढ़ें।

अर्जित करें शिक्षा: शिक्षा को सशक्तिकरण की चाबी कहा जाए तो गलत नहीं होगा। महिलाओं के लिए यह बात बहुत ज्यादा मायने रखती है। अगर बेटियों की पढ़ाई-लिखाई ठीक से कराई जाए तो वे न सिर्फ समझदार और जागरूक बनती हैं बल्कि अपने पैरों पर खड़ी होकर आर्थिक स्वावलंबन भी अर्जित करती हैं। शिक्षित महिलाएं समाज की रूढ़ियों को तोड़ अपने लिए नया रास्ता बनाती हैं। आने वाली पीढ़ियों को राह दिखाती हैं और खुद सशक्त होकर समाज, परिवार और देश को भी मजबूत बनाती हैं।

घर के फैसलों में भागीदारी: अकसर यह देखा जाता है कि घर के सारे अहम फैसले पुरुष सदस्य ही लेते हैं। फिर चाहे वह प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला हो या बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, शादी-ब्याह आदि से जुड़ा मुद्दा। कई बार महिलाओं से उनकी राय भी नहीं पूछी जाती है। लेकिन अधिकतर मामलों में महिलाएं इसे जरूरी भी नहीं मानती हैं, उन्हें लगता है कि इन मामलों में वे सही निर्णय नहीं ले पाएंगी। ऐसी सोच से उनमें आत्मविश्वास घटता है और निर्णय लेने की क्षमता भी उनमें कमजोर होने लगती है। घर-परिवार से जुड़े हर छोटे-बड़े मामले में महिलाओं को आगे बढ़कर अपनी राय देनी चाहिए और जरूरत के अनुसार फैसले भी लेने चाहिए।

अपने अधिकार जानें: छोटे शहरों और गांवों में रहने वाली अधिकांश महिलाओं के अशक्त होने की एक बड़ी वजह है कि उन्हें अपने अधिकारों और अपने पक्ष में बने कानूनों की जानकारी ही नहीं है। पढ़ी-लिखी महिलाओं को न केवल अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए, अपने आस-पड़ोस अशिक्षित महिलाओं को भी उनके अधिकारों की जानकारी देनी चाहिए।

भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाएं: घर हो या दफ्तर, सार्वजनिक स्थानों पर भी महिलाओं के साथ भेदभाव होना आम बात है। इसलिए यह जरूरी है कि महिलाओं के साथ हो रहे हर तरह के भेदभाव के विरोध में अपनी आवाज उठाई जाए। महिला-पुरुष में कोई भी भेदभाव हो, तो उसका पुरजोर विरोध करें।

सलाह

संध्या सिंह

एक समय तक वूमेन एंपॉवरमेंट के लिए शिक्षा को सबसे जरूरी माना जाता था। लेकिन आज के दौर में डिजिटली स्किल्ड और इंटरनेट यूज करने में एक्सपर्ट होना जरूरी हो गया है। इससे खुद को कैसे एंपॉवर कर सकती हैं, जानिए।

एंपॉवरमेंट के लिए जरूरी
बनें डिजिटल एक्सपर्ट

इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 की थीम, 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए: अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' है। कुल मिलाकर यह थीम सभी को समान अधिकार, शक्ति और अवसरों को सुरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देती है। सवाल है, इसे हासिल कैसे किया जाए? आज के दौर में इन सभी चीजों को हासिल करने का एक ही तरीका है- डिजिटल तकनीकी में महारत यानी एक्सपर्टीज हासिल की जाए।

डिजिटल स्किल्ड का अर्थ: आज शिक्षा की बड़ी-बड़ी डिग्रियों से सशक्तिकरण की उतनी गारंटी नहीं है, जैसी गारंटी आधुनिक डिजिटल तकनीक में महारत हासिल करने में है। लेकिन डिजिटल कुशलता का मतलब सिर्फ कंप्यूटर या स्मार्टफोन चला लेने में दक्षता भर नहीं है बल्कि काम की सूचनाओं तक त्वरित ढंग से पहुंच, डिजिटल उपकरणों का प्रभावी उपयोग कर सकना, ऑनलाइन अवसरों का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाना और साइबर सुरक्षा की भरपूर समझ होना है। वास्तव में आज सशक्तिकरण का बुनियादी आधार यही है, चाहे आप लड़की हों या लड़का। महिलाओं के लिए यह ज्यादा जरूरी है, क्योंकि वे अभी भी समाज में पुरुषों के मुकाबले पिछड़ी हुई हैं। इसलिए इस महिला दिवस पर क्यों न आप डिजिटल तकनीकी में कुशलता हासिल करने का संकल्प लें।

इकोनॉमिक एंपॉवरमेंट: आज की तारीख में डिजिटल तकनीक में कुशल होने पर ही रोजगार के नए से नए अवसर उपलब्ध होते हैं। सिर्फ नौकरी ही नहीं, आज की तारीख में डिजिटल कुशलता के बिना फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन बिजनेस, डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट राइटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग जैसे किसी भी क्षेत्र में काम पाने की उम्मीद नहीं की जा सकती। आजकल डायरेक्ट एंप्लॉयमेंट से ज्यादा महिलाओं के लिए फ्रीलांसिंग की सुविधा मौजूद है, जो बहुत आराम से घर बैठे की जा सकती है। लेकिन यह संभव तभी होगी, जब आपके पास खुद का डेस्कटॉप कंप्यूटर या लैपटॉप हो और डिजिटल तकनीक में आप पूरी तरह पारंगत हों। अगर ऐसा है तो आप कभी भी आर्थिक रूप से परेशान नहीं रहेंगी क्योंकि बाजार में बहुत बड़े पैमाने पर ऑनलाइन डिजिटल रोजगार उपलब्ध है।

स्टार्टअप-एंटरप्रेन्योरशिप: महिलांए सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, डिजिटल पेमेंट और ऑनलाइन ब्रांडिंग का उपयोग करके घर बैठे अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं। आज देश में सैकड़ों या हजारों नहीं बल्कि लाखों महिलाएं हैं, जो घर बैठे अपना बिजनेस कर रही हैं। लेकिन यह तभी संभव है, जब आप डिजिटल तकनीक के बरतने में माहिर हों। वर्क फ्रॉम होम के मौके भी ऐसी ही महिलाओं के लिए उपलब्ध होते हैं, जो डिजिटल तकनीक में कुशल हैं।

शिक्षा और ज्ञान का विस्तार: अगर आज आप डिजिटल टेक्नोलॉजी में माहिर हैं, अपने सशक्तिकरण के लिए उसका बेहतर इस्तेमाल करना जानती हैं तो आज ऐसे दर्जनों प्लेटफॉर्म हैं, जहां से घर बैठे विभिन्न क्षेत्रों की उच्च शिक्षा हासिल कर सकते हैं या अपने कौशल को बढ़ा सकती हैं। यही नहीं अगर डिजिटल तकनीक में पारंगत हैं तो तमाम तरह की स्वास्थ्य और कानूनी जानकारियां हासिल करके महिला अधिकारों, सरकारी योजनाओं, मातृत्व लाभ और स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारियां आसानी से पा सकती हैं और इनके जरिए अपना आर्थिक ही नहीं बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण भी आसानी से कर सकती हैं।

कह सकते हैं कि आज की तारीख में आर्थिक, सामाजिक और वैयक्तिक सशक्तिकरण के लिए सबसे ज्यादा जरूरी डिजिटली एक्सपर्ट होना है।

स्त्री सशक्तिकरण की राह में सबसे बड़ी बाधा है लिंग भेद। यह भेद जब घर में ही हो, अपनों के बीच हो तो बहुत पीड़ादायक स्थिति हो जाती है। इसे देखते हुए उन्हें वो आजादी, प्रेम, मान-सम्मान परिवार की तरफ से स्वत: मिलना चाहिए, जो उनकी अस्मिता के लिए, उनके सम्मान के लिए जरूरी है।

समानता संग पोषित हो स्नेह-सम्मान

जरूरी समझ

डॉ. मोनिका शर्मा

स्त्रियां घर-परिवार को स्नेह से सींचती हैं। सुख-दुःख में साथ खड़ी होती हैं। खुशी हो या पीड़ा, बिन कहे अपनों का मन समझ लेती हैं। घरेलू उलझनों को सहजता से सुलझाती हैं। सामाजिक सरोकारों से गंभीरता से जुड़ती हैं। बच्चों का भविष्य हो या बड़ों की देखभाल, उनके ही हिस्से होती हैं। अपनी उलझनों को भूलकर पर्व-त्योहारों को जीवंत उल्लास से भर देती हैं स्त्रियां। अनगिनत फ्रंट्स पर जूझने के बावजूद भेदभाव का दर्द आज भी महिलाओं के हिस्से है। यही कारण है, स्त्रियों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए जेंडर इक्वेलिटी सबसे जरूरी है। दुनिया के हर कोने में समानता का भाव ही सशक्तिकरण की बुनियाद है।

कोशिशें हों कारगर: इस साल इंटरनेशनल वूमेंस-डे की थीम 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' है। वर्ष 1975 से यूनाइटेड नेशंस हर साल एक खास थीम के साथ महिला दिवस मनाता है। ऐसा विषय, जो हर उम्र की महिलाओं की बेहतरी से जुड़ा हो। बेटियों और महिलाओं की इक्वेलिटी और एंपॉवरमेंट को संबोधित करता हो। वूमेंस-डे 2025 का विषय असल में हर तरह के पॉजिटिव बदलाव और प्रोग्रेस की बुनियाद है। बराबरी का हक मिले बिना महिलाएं सशक्त नहीं बन सकतीं। यही वजह है कि इस वर्ष की थीम समान अधिकार, एंपॉवरमेंट और आगे बढ़ने के लिए समान अवसर मिलने की वकालत करती है। यह विषय दुनिया की हर स्त्री को सुरक्षित भविष्य देने के त्वरित एक्शन का भी आह्वान करता है। असल में इक्वेलिटी और वूमेन एंपॉवरमेंट को लेकर लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं। बहुत से सकारात्मक परिवर्तन हुए भी हैं। अब ग्लोबल लेवल पर बेहतरी की इन कोशिशों को और गति देने की दरकार है। इसी के चलते इस वर्ष 'कार्रवाई में तेजी लाना' के विचार पर भी बल दिया जा रहा है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मुताबिक प्रोग्रेस की मौजूदा दर पर पूरी तरह से जेंडर इक्वेलिटी पाने में 2158 तक का समय लगेगा। महिला अधिकारों से जुड़ा यह इंटरनेशनल मूवमेंट समझाता है कि इस रफ्तार से लैंगिक समानता तक पहुंचने में 134 साल लगेंगे। इसमें तेजी न लाई गई तो कई जेनरेशन खप जाएंगी। ऐसे में स्त्री सशक्तिकरण की कोशिशों का सफल होना ही नहीं, उनका गति पकड़ना भी जरूरी है।

उपलब्धियों का आधार: दुनिया के हर हिस्से में महिलाओं ने विपरीत हालातों से जूझकर भी कुछ कर दिखाने का जज्बा दिखाया है। इस हौसले की बुनियाद पर ही स्त्रियां भविष्य में भी बेहतरी की ओर बढ़ने का माद्दा जुटा रही हैं। यह बात कर्मठता सेलिब्रेट करने योग्य है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के संघर्ष और सफलताओं को उत्सव की तरह मनाने का दिन है। इसीलिए भविष्य संवारने के प्रयासों को अपनी उपलब्धियों का आधार दे रही स्त्रियों के लिए यह दिन बेहद खास होता है।

एंपॉवरमेंट के रंग

महिलाओं का जीवन रंगों से गहराई से जुड़ा होता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अवेयरनेस लाने के लिए रंगों को भी एंपॉवरमेंट से जोड़ा जाता है। महिला दिवस से बैंगनी, हरे और सफेद रंग जुड़े हैं। ये तीनों रंग कुछ खास भावों और विचारों के प्रतीक हैं। बैंगनी रंग न्याय, सम्मान और महिलाओं की बेहतरी से जुड़े उद्देश्यों को पूरा करने की प्रतिबद्धता से जुड़ा है। वहीं हरा रंग आशाओं से, सफेद रंग पवित्रता से जुड़ा है। साझे रूप से ये रंग बायस्ड और नेगेटिव सोच से दूर महिलाओं के लिए सम्मानजनक माहौल बनाने का संदेश देते हैं।

खबर संक्षेप

पुलिस ने चोरी मामले में वांछित दबोचा

सिरसा। शहर थाना सिरसा पुलिस ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चोरी के मामलें में वांछित आरोपी को काबू किया है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए शहर थाना प्रभारी सत्यवान ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान वकील सिंह उर्फ जगरूप पुत्र गोबिंद सिंह निवासी थैहड़ मोहल्ला, सिरसा हाल सैक्टर 19 हुडडा सिरसा के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना शहर सिरसा में 17 जुलाई 2019 को चोरी का अभियोग दर्ज हुआ था। थाना प्रभारी ने बताया कि अदालत से जमानत मिलने के बाद आरोपी दोबारा अदालत में पेश नहीं हुआ। इसलिए माननीय अदालत के आदेश पर 7 जुलाई 2023 को आरोपी के खिलाफ भा.द.स. की धारा 174-ए के तहत शहर थाना सिरसा में अभियोग दर्ज कर जांच शुरु की गई थी।

राज्य स्तरीय कन्वेंशन 8 मार्च को : चमनलाल स्वामी

सिरसा। रोडवेज सांझा मोर्चा की वीडियो कांफ्रेंस के जरिये बैठक हुई, जिसमें 8 मार्च को रोहतक में कन्वेंशन के आयोजन पर चर्चा की गई। मोर्चा के महासचिव चमनलाल स्वामी ने बताया कि बैठक में सभी डिपो व सब डिपो से रोहतक में आयोजित कन्वेंशन में पहुंचने के लिए आह्वान किया गया। उन्होंने बताया कि कन्वेंशन में सरकार द्वारा मांगी गई मांगों को लागू नहीं किए जाने पर आगामी आंदोलन को लेकर भी रूपरेखा बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चे के आह्वान पर सरकार की कर्मचारी व विभाग विरोधी नीतियों के खिलाफ होने वाली राज्यस्तरीय कन्वेंशन मोर्चे में शामिल सभी यूनियनों के सभी डिपो व सब डिपो के पदाधिकारियों से अपील हैं कि कर्मचारियों को उनके हकों व विभाग हित के लिए जागरूक करते हुए आप अपने-अपने डिपो व सब डिपो के कर्मचारियों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचना सुनिश्चित करें।

करीब एक लाख की नकदी व आभूषण चोरी

सिरसा। पुलिस ने प्रीत नगर की गली नंबर-9 निवासी दीपक पुत्र गुलाबचंद की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ चोरी व सेंधमारी का मामला दर्ज किया है। अपनी शिकायत में दीपक ने बताया कि 1 मार्च की सायं वह अपनी बहन के घर गांव अहलीसदर गया था। अगली सुबह उसे सूचना मिली कि घर पर चोरी हो गई है। जब वह घर पहुंचा तो घर में रखी एक लाख रुपये की नगदी, सोने की बाली, कोका, चांदी की पाजेब गायब पाई। चोरीशुदा संपत्ति की कीमत सवा लाख रुपये बताई गई है।

श्री खाटू श्याम धाम में फाल्गुन मेला 6 से

सिरसा। श्री श्याम भंडारा संघ ट्रस्ट सिरसा द्वारा राजस्थान में श्री श्याम खाटू में 6 से 11 मार्च तक श्री श्याम फाल्गुन मेला महोत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा। इस सिलसिले में विस्तृत जानकारी देते हुए संरक्षक पुरुषोत्तम, प्रधान सुनील सोनी व प्रवक्ता आकाश चाचाण ने कहा कि 6 से 11 मार्च तक आयोजित इस कार्यक्रम में प्रथम दिन भजन गायकों व नृत्य नाटिका द्वारा भजन अमृत वर्षा होगी। अगले दिन हवन यज्ञ होगा। 8 मार्च को निशान यात्रा निकाली जाएगी, जोकि रींगस दरबार से शुरू होगी। इस दिन श्याम बाबा की पावन ज्योत प्रज्वलित होगी।

भरोखां स्कूल में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

सिरसा। देश की महिलाओं और बच्चों में खतरनाक हद तक बढ़ चुकी रक्ताल्पता (एनीमिया) की स्थिति को सुधारने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एबीएम (एनीमिया मुक्त भारत अभियान) के तहत संगम स्कूल भरोखां में एक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसमें सभी बच्चों का हीमोग्लोबिन, पल्स रेट एवं तापमान चेक किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और समुदाय के लोगों को एनीमिया के बारे में जागरूक करना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

मनोहर मेमोरियल कॉलेज में 10 दिवसीय संस्कृत कार्यशाला का समापन

संस्कृत भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला व शुद्ध उच्चारण पर दिया विशेष प्रशिक्षण

- कार्यशाला का उद्देश्य संस्कृत के व्यावहारिक उपयोग को बढ़ावा देना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

मनोहर मेमोरियल कॉलेज, फतेहाबाद के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित 10 दिवसीय संस्कृत भाषा कार्यशाला का आज सफल समापन हुआ। 20 फरवरी से शुरू हुई इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों एवं शिक्षकों को संस्कृत में संवाद करने के लिए प्रेरित करना और इसके व्यावहारिक उपयोग को बढ़ावा देना था। इस कार्यशाला में कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला का आयोजन संस्कृत विभाग से डॉ. रवीना द्वारा किया गया। कार्यशाला में मुख्यअतिथि के तौर पर डॉ. राकेश रहे व मुख्य वक्ता के रूप में संस्कृत भारती के सहमंत्री भूपेन्द्र एवं मार्गदर्शक नवीन कुमार, संगठन मंत्री संस्कृत भारती संस्था ने भाग लिया। वक्ताओं ने संस्कृत भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को संस्कृत वार्तालाप, शुद्ध उच्चारण एवं व्याकरण पर विशेष प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में नेशनल कॉलेज, सिरसा के सेवानिवृत्त प्राचार्य तेजराम बिश्नोई भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार और शिक्षा में इसके महत्व पर अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि संस्कृत को विश्व की सर्वाधिक पूर्ण और तर्कसम्मत भाषा माना गया है, जो भारत को एकता के सूत्र में बांधती है। संस्कृत न केवल एक प्राचीन भाषा है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, दर्शन, साहित्य, और धार्मिक परंपराओं का अभिन्न हिस्सा है। संस्कृत की शिक्षा से व्यक्ति न केवल भाषा की समझ विकसित करता है, बल्कि वह भारतीय सांस्कृतिक धरोहर से भी जुड़ता है।

फतेहाबाद। एमएम कॉलेज में आयोजित संस्कृत कार्यशाला को संबोधित करते मुख्य वक्ता।

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र किए वितरित

कार्यशाला के समापन समारोह में कॉलेज प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए और संस्कृत भाषा के संरक्षण में ऐसे आयोजनों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला छात्रों को संस्कृत में संवाद करने की दक्षता प्रदान करेगी और उनकी रुचि को बढ़ाएगी। इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने भाग लिया, जिससे यह आयोजन अत्यंत सफल रहा। प्रतिभागियों ने इसे ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताया और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की इच्छा व्यक्त की।

सिरसा। माता हरकी देवी कॉलेज में दीक्षांत समारोह की तैयारी को लेकर विचार विमर्श करते हुए पदाधिकारी।

उपराष्ट्रपति एमएचडी कॉलेज ओढ़ा के दीक्षांत समारोह में होंगे मुख्यातिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

माता हरकी देवी शिक्षण संस्थान ओढ़ा में 5 मार्च को दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसमें भारत के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इस समारोह में मुख्य अतिथि स्नातक, स्नातकोत्तर व शिक्षा स्नातक की 400 छात्राओं को डिग्रियां प्रदान करेंगे और छात्राओं को प्रेरणास्पद संदेश देंगे। दीक्षांत समारोह का आयोजन माता हरकी देवी महाविद्यालय के प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। शिक्षण संस्थान की प्रबंध निदेशक डॉ. कुलदीप कौर ने बताया कि दीक्षांत समारोह की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। माता हरकी देवी शिक्षण संस्थान व इलाके की बेटियों के लिए ये गौरव का पल है। दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है जिन्होंने सभी तैयारियां पूरी कर ली है और छात्राओं के रजिस्ट्रेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है। आज सोमवार को फाइनल रिहर्सल करवाई गई जिसमें सभी डिग्री धारकों को दीक्षांत समारोह की औपचारिकताएं बताई गई। इस अवसर पर संस्था सचिव मंदर सिंह सरा, सहायक निदेशक शशिकांत शर्मा, प्राचार्य डॉ कृष्ण कांत, डॉ अभिलाषा शर्मा, डॉ सुभाष चन्द्र व समस्त शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

सहायक उपकरण उपलब्ध करवाने के लिए लगाया गया मूल्यांकन शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला के दिव्यांगजनों व वरिष्ठ नागरिकों की सहायतार्थ प्रथम चरण में सहायक उपकरण उपलब्ध करवाने को लेकर स्थानीय पटवार भवन में मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जरूरतमंद दिव्यांगजनों व वरिष्ठ नागरिकों को उनकी जरूरत के हिसाब से सहायक उपकरण जैस तिपहिया साइकिल, व्हील चेयर, कानों की सुनने वाली मशीन, बैशाखी, व्हील चेयर, फोल्डिंग वाकर, कमोड वाली कुर्सी तथा अन्य सहायक उपकरण व कृत्रिम अंग हेतू निशुल्क वितरण करने से पूर्व जांच की गई। उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी की अध्यक्ष मनदीप कौर ने बताया कि जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा दूसरे चरण में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम मोहाली के सहयोग से निकट भविष्य में जल्द ही चिन्हित किए गए दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध निशुल्क प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 4 मार्च को सुबह 9 बजे कम्यूनिटी सेंटर नगरपालिका रतिया तथा 5 मार्च को किसान रेस्ट हाउस टोहाना में मूल्याकंन शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव रामजी लाल ने बताया गया कि दिव्यांग होना अभिशाप नहीं है। दिव्यांग व्यक्ति सहायक उपकरण व कृत्रिम अंग प्राप्त करके चलने-फिरने योग्य सक्षम हो सकता है तथा अपना रोजगार आरंभ कर सकता है। उन्होंने बताया कि फतेहाबाद क्षेत्र से आज जो भी दिव्यांगजन वंचित रह गए हैं वे 4 मार्च को कम्यूनिटी सेंटर रतिया व 5 मार्च को किसान रेस्ट हाउस टोहाना में आकर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। शिविर में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम लिमिटेड मोहाली की टीम व रेडक्रॉस सोसायटी से उपाधीक्षक सुरेन्द्र चुघ, लेखाकार राकेश कुमार, सुनील भाटिया आदि मौजूद रहे।

फतेहाबाद। मूल्यांकन शिविर में जरूरतमंदों को प्रमाण पत्र वितरित करते सचिव।

राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए बेंच का गठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से न्यायालय परिसर सिरसा, डबवाली व ऐलनाबाद में आगामी 08 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी। लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा छह बेंच का गठन किया गया।

जिला विधिक प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश कुमार ने बताया कि न्यायालय परिसर सिरसा में अतिरिक्त प्रिंसिपल जज फैमिली कोर्ट सुमित गर्ग, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नितिन किनरा, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं प्रधान मजिस्ट्रेट जेजेबी/एएसीजे (एसडी) राकेश कादियान, सिविल जज (जूनियर डिविजन) एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी रिचू राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करेंगे।

डबवाली में अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिविजन) एवं उपमंडल न्यायिक मजिस्ट्रेट हरलीन पाल सिंह तथा ऐलनाबाद में अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिविजन) एवं उपमंडल न्यायिक मजिस्ट्रेट आशीष आर्य मामलों की सुनवाई करेंगे। उन्होंने बताया कि इस लोक अदालत में कोई भी इच्छुक स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपने केस के निपटारे के लिए आवेदन कर सकते हैं।

द अल्टीमेट कोडिंग शो डाउन गतिविधि आयोजित

हिसार। गुरु गोरखनाथ जी राजकीय महाविद्यालय में कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा कोड क्लैशः द अल्टीमेट कोडिंग शो डाउन गतिविधि का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसका उद्देश्य उनके कोडिंग कौशल को निखारना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. दलीप सिंह तथा सेवानिवृत्त डॉ. निर्मला बिश्नोई थी तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रवीन बिश्नोई रहे। कार्यक्रम का संपूर्ण आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. सुदेश की देखरेख में किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कंप्यूटर साइंस विभाग के सदस्य डॉ. यशवंत सांगवान, डॉ. श्वेता, पूनम नरवाल और डॉ. सतिंदर आदि ने भी सक्रिय योगदान दिया। प्रतिभागियों के प्रदर्शन के आधार पर शीर्ष चार छात्रों का चयन किया गया। इसमें भूमिका प्रथम , दिक्षांत द्वितीय , धीरज एवं प्रमोद - तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. राम प्रताप ने विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

रक्तदान एक महादान इससे हमारा शरीर रहता स्वस्थ : सैन

- स्व. राजेंद्र सैन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में लगाया रक्तदान शिविर, 55 युनिट रक्त एकत्रित

हरिभूमि न्यूज. सिरसा

फ्रेंड्स पब्लिक स्कूल सिकंदरपुर में स्कूल के संस्थापक स्व. राजेंद्र सैन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में पहला रक्तदान कैंप लगाया गया। इस कैंप में स्कूल के बच्चों अभिभावकों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। और स्कूल के स्टाफ ने भी रक्तदान करके अपना सहयोग दिया। यह रक्तदान कैंप वरदान चेरिटेबल ट्रस्ट सिरसा द्वारा आयोजित किया गया था। इस रक्तदान कैंप में कुल 55 यूनिट रक्त लोगों द्वारा दान किया गया। स्कूल की प्रिंसिपल मोनिका सैन ने कहा कि रक्तदान एक महादान है और रक्त दान करने से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है। रक्तदान कर हम किसी दूसरे इंसान की जिंदगी बचा सकते हैं और ऐसे कैंप समय-समय पर लगते रहने चाहिए। हम सभी लोगों को इस तरह के कैंपों में बढ़ चढ़ कर भाग लेना चाहिए। इस मौके पर स्कूल के स्टाफ सदस्य मनदीप कुमार, शेर सिंह, विनीत कुमार सिंह, सुरेंद्र पाल, हरजिंदर आदि उपस्थित रहे।

सिरसा। शिविर में रक्तदान करते रक्तदानी।

मिड डे मील वर्कर्स यूनियन का जिला सम्मेलन, गगनदीप कौर बनी प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

मिड डे मील वर्कर्स यूनियन का जिला सम्मेलन प्रधान गगनदीप कौर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। बैठक में फतेहाबाद, रतिया, भट्टू, जाखल, टोहाना, भूना से मिड डे मील वर्कर्स ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्घाटन सीटू नेता सतबीर सिंह व मिड डे मील वर्कर्स यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव जयभगवान ने किया वहीं मुख्य वक्ता के तौर पर खेत मजदूर नेता रामकुमार बहबलपुरिया ने भाग लिया। सम्मेलन में गगनदीप कौर ने सर्वप्रथम यूनियन की 3 साल की रिपोर्ट प्रस्तुत की। सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजकुमार बहबलपुरिया व गगनदीप कौर ने कहा कि आज मिड डे मील को अनेक तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। स्कूलों में बच्चों की संख्या कम बताकर वर्कर्स को काम से हटाया जा रहा है। उन्होंने बढ़ती महंगाई में मिड डे मील वर्कर्स को नाममात्र मानदेय दिया जा रहा है। इतने मानदेय में इन गरीब महिलाओं को अपने परिवार का भरण पोषण करने में काफी परेशानियों से जूझना पड़ता है। उन्होंने मांग की कि सभी मिड डे मील वर्कर्स को पक्का किया जाए और तब तक उन्हें 26 हजार रुपये न्यूनतम वेतन दिया जाए। हटाई गए सभी मिड डे मील वर्कर्स को दोबारा काम पर लिया जाए। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने मिड डे मील वर्कर्स की मांगों को जल्द पूरा नहीं किया तो जल्द ही यूनियन द्वारा आंदोलन की घोषणा की जाएगी। सम्मेलन में सर्वसम्मति से गगनदीप कौर को यूनियन का जिला प्रधान चुना गया। इसके अलावा पुष्पा रतिया को सचिव, सोनू धांगड़ को कैशियर, का. मदन सिंह टोहाना व सुन्दर पारतां को उपप्रधान, अनिता रानी दमकौरा व नीतू गुल्लरवाला को सहसचिव चुना गया। गीता ढिंगसरा, भागी देवी भट्टू, इन्द्रो देवी धांगड़, बलविन्द्र कौर रजाबाद, किरणपाल रतिया, बाला देवी तलवाड़ा, सत्यवती नागपुर व सुखजीत कौर खुंबर को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। सम्मेलन को सीटू के जिला उपाध्यक्ष मदन सिंह, सीटू जिला सचिव ओमप्रकाश अनेजा ने भी संबोधित किया।

फतेहाबाद। मिड डे मील वर्कर्स यूनियन की पदाधिकारियों को बधाई देते कर्मचारी नेता।

सड़क सुरक्षा के नियमों से अवगत होना जरूरी : बिश्नोई

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा है कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना ही सुरक्षा का अचूक उपाय है। सबको सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी होनी चाहिए जिससे हम और हमारा समाज सुरक्षित रहे। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई सोमवार को विश्वविद्यालय की रेडक्रॉस इकाई की ओर से सड़क सुरक्षा पर आयोजित जागरूकता रैली के दौरान स्वयंसेवकों को संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने सभी स्वयंसेवकों को सड़क सुरक्षा पालन के बारे में शपथ दिलाई एवं रैली को हरी झंडी दिखाकर विश्वविद्यालय के तीन नंबर गेट से रवाना किया।

खेल | नाथूसरी के अक्षय कुलड़ियां रहे मैन ऑफ दी सीरिज

विजेता टीम को 21 हजार रुपये के साथ ट्रॉफी देकर किया सम्मानित

कंवरपुरा बना ऑवरऑल विजेता फाइनल में धिंगतानिया को हराया

- प्रतियोगिता में 48 टीमों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

जिला के गांव फूलकां में 21 दिन चले क्रिकेट टूर्नामेंट में धिंगतानियां ने शानदार बल्लेबाजी की बदौलत कंवरपुरा को हराकर टूर्नामेंट विजेता बना। समापन समारोह में मनीष सिंगला ने विजेता धिंगतानिया टीम को 31 हजार रुपये नकद व रनरअप टीम कंवरपुरा को 21 हजार रुपये की राशि के साथ चमचमाती ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। टूर्नामेंट में बेस्ट बल्लेबाज कंवरपुरा के साहिल लाखलान को चुना गया, जिसने अपने बल्ले से 192 रन बटोरे। वहीं मैन ऑफ दी सीरिज नाथुसरी के होनहार बल्लेबाज अक्षय कुलडिया को दी गई, जिसने टूर्नामेंट में 115 रन बनाए और 7 विकेट हासिल किए। टूर्नामेंट आयोजक डा. सुनील कुलडिया व सिद्धार्थ कुलडिया ने बताया कि इस टूर्नामेंट में 48 टीमों ने भाग लिया। टूर्नामेंट के आखिर में तीन टीमें शेष रहीं, जिसमें नाथूसरी को बाई मिली। जबकि धिंगतानियां व कंवरपुरा में पहला सेमीफाइनल हुआ, जिसमें धिंगतानिया विजेता रही। आईपीएल तर्ज पर चलते हुए दूसरा सेमीफाइनल नाथुसरी व कंवरपुरा के बीच खेला गया, जिसमें कंवरपुरा विजयी हुआ। टूर्नामेंट के फाइनल में धिंगतानियां व कंवरपुरा फिर से एक-दूसरे के सामने आ गए। धिंगतानियां ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। 12 ओवर के निर्धारित मैच में कंवरपुरा ने 8 विकेट खोकर 84 रन का लक्ष्य रखा। जवाबी बल्लेबाजी में धिंगतानियां ने यह लक्ष्य एक गेंद शेष रहते पूरा कर लिया। रमन ने विजयी शॉट लगाया। इस रोमांचक मैच का दर्शकों ने खूब आनंद उठाया।

सिरसा। क्रिकेट टूर्नामेंट में विजेता रही टीम। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि विजय कुमार, मा. धर्मेंद्र शास्त्री, मा. गुरविंद्र सिंह, डा. सुनील कुलडिया, सिद्धार्थ कुलडिया, सुधीर गहलोत, प्रह्लाद राठी, सज्जन कुलडिया, रामनिवास राठी, महावीर खिचड़, कैलाश कुलडिया सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी व क्रिकेट प्रेमी मौजूद रहे।

भारतीय कपास निगम लिमिटेड
केन्द्र फतेहाबाद/भूना
कपास किसानों से सीसीआई में पंजीकरण कराने की अपील
भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा वर्तमान फसल वर्ष 2024-25 (अक्टूबर 2024-सितंबर, 2025) में सभी कपास उत्पादक राज्यों में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) योजना के तहत कपास की खरीद जारी है। जो किसान वर्तमान फसल वर्ष 2024-25 के दौरान एमएसपी के तहत अपना कपास बेचना चाहते हैं, उन्हें 15.03.2025 को या उससे पहले भारतीय कपास निगम (सीसीआई) के साथ पंजीकरण कराना होगा। भारतीय कपास निगम (सीसीआई) यह आश्वासन देता है कि वह किसानों से कपास की खरीद जारी रखेगा, बशर्ते वह किसान 15.03.2025 को या उससे पहले भारतीय कपास निगम (सीसीआई) के साथ पंजीकृत हो।
अतः भारतीय कपास निगम (सीसीआई) सभी किसानों से अपील करता है कि वे 15.03.2025 तक भारतीय कपास निगम (सीसीआई) के साथ अपना पंजीकरण करा लें। किसी भी किसान को कोई समस्या या शिकायत है तो वह व्हाट्सएप नंबर पर संदेश भेज सकता है : +91 77189 55728
-मुख्य महाप्रबंधक (विपणन) सीसीआई, नवी मुंबई

खबर संक्षेप

चाय की दुकान से दो सिलेडर चोरी कर फरार

फतेहाबाद। डीएसपी रोड स्थित एक चाय की दुकान से दो युवक सिलैण्डर चोरी कर फरार हो गए। चोरी की यह वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। इस बारे दुकान मालिक ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस को दी शिकायत में भीमा बस्ती फतेहाबाद निवासी नंदलाल ने कहा है कि उसकी डीएसपी रोड पर एसवीएम स्कूल के पास चाय की दुकान है। गत दिवस दोपहर को वह दुकान से लेकर बाहर देने चला गया था। कुछ देर में जब वह वापस दुकान पर आया तो उसने देखा कि दुकान में रखा सिलैण्डर गायब था। इस पर जब उसने दुकान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को चैक किया तो पाया कि दो अज्ञात युवक मोटरसाइकिल पर उसका सिलैण्डर चोरी कर ले जाते दिखाई दे रहे है। इन युवकों की पहचान उसने सुमित व सतीश निवासी बनगांव के रूप में की और इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में शहर फतेहाबाद पुलिस ने केस दर्ज कर युवकों की तलाश शुरू कर दी है।

गेहूं चुराने के मामले में एक युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। भूना पुलिस ने मकान से गेहूं चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए युवक की पहचान रवि उर्फ टिन्नी पुत्र इन्द्र कुमार निवासी वार्ड नं. 5 भूना के रूप में हुई है। थाना भूना प्रभारी इंस्पैक्टर प्रदीप ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 4 दिसम्बर 2024 को कृष्ण कुमार निवासी वार्ड नं. 10 भूना की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार उसका पुराना मकान गुरूद्वारे के सामने स्थित है जहां कोई नहीं रहता। वहां से अज्ञात चोर ड्रम में रखी करीब 12 क्विंटल गेहूं चोरी कर ले गए है। इस बारे भूना पुलिस ने केस दर्ज किया था। जांच में पुलिस ने पाया कि अज्ञात युवक एक रेहड़ी पर गेहूं चोरी कर ले जाना चाहते थे लेकिन वजन अधिक होने पर रेहड़ी के टायर क्षतिग्रस्त हो गए जिस कारण चोर रेहड़ी को वहीं छोडक़र गेहूं लेकर फरार हो गए।

टोहाना में दुकान से उड़ाए 45 हजार रुपये

टोहाना। चंडीगढ़ रोड पर स्थित गणपति ट्रेडिंग कंपनी में चोरी की वारदात सामने आई है। दुकानदार जगदीश कुमार की दुकान से दो युवकों ने 45 हजार रुपए की नकदी और 10 चांदी के सिक्के चुरा लिए। उसके सामने ही दो युवक दुकान से निकलकर गए थे। जगदीश कुमार ने बताया कि वे पास में स्थित फ्रूट की दुकान पर गए थे। मात्र 3 मिनट बाद लौटे तो उसने दो युवकों को दुकान से बाहर निकलते देखा। पूछने पर उन युवकों ने कहा कि वे बाद में आएंगे। दुकान में जाकर देखा तो गल्ला टूटा हुआ था और 45 हजार रुपए व चांदी के सिक्के गायब थे। दुकानदार जगदीश कुमार ने तुरंत अपने बेटे को दुकान में चोरी की जानकारी दी। साथ ही डायल 112 पर काल करके पुलिस को भी बुलाया। दुकान में चोरी की सूचना के बाद थाना प्रभारी देवीलाल मौके पर पहुंचे। पुलिस आरोपियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है। शहर में बढ़ती आपराधिक घटनाओं से लोगों में डर का माहौल है।

श्रद्धालुओं ने लगाए बाबा रामदेव के जयकारे

फतेहाबाद। फाल्गुन माह की चांदनी दूज के उपलक्ष्य में श्रद्धालु शक्ति नगर स्थित प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर रामदेवरा पहुंचे और बाबा रामदेव महाराज की संध्या आरती में शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेव महाराज के दरबार में हाजरी लगाकर नारियल ध्वजा चढ़ाई। श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेव महाराज की परिक्रमा करते हुए जयकारों से आसपास के माहौल को भक्तिमय कर दिया। श्री बाबा रामदेव सेवा समिति के प्रधान रमेश जोइया ने समिति सदस्यों के साथ बाबा रामदेव महाराज को फूलों की माला अर्पित कर विधि-विधान से पूजा अर्चना व अराधना की। बाबा रामदेव महाराज की पावन व सांची जोत प्रज्वलित की गई। जोत प्रज्वलित होते हुए श्रद्धालुओं ने जोत को नमन किया और मन्नतें मांगी।

डा. अमरप्रीत सिंह ने गुलाबी सुंडी की रोकने के लिए तकनीकी जानकारी दी

गुलाबी सुंडी की रोकथाम के लिए बनछटियों के ढेर को झाड़कर टिंडे को करें नष्ट: डीडीए

- सुंडी इन टिंडों व कपास में 120-125 दिन तक मौजूद रह सकती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। किसानों को जागरूक करते कृषि अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

कृषि एंव किसान कल्याण विभाग द्वारा जिला में कपास उत्पादक क्षेत्र को बढ़ावा देने व गुलाबी सुंडी की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इसी कड़ी में सोमवार को गांव फुलकां में सडक़ किनारे, खेतों व गांव की फिरणी के आस-पास लगे बनछटियों के ढेर को झाडक़र उनसे निकले अवशेष टिंडे इत्यादि को जमीन में दबाया गया ताकि गुलाबी सुंडी के लारवा, प्यूपा नष्ट हो सके। कृषि उपनिदेशक डा. सुखदेव सिंह ने बताया कि गुलाबी सुंडी जोकि कपास का एक मुख्य कीट है तथा यह कपास की बनछटियों में मौजूद टिंडों व कपास में अपना जीवन व्यतीत करती है। यह सुंडी इन टिंडों व कपास में 120-125 दिन तक मौजूद रह सकती है व जैसे ही अनुकूल मौसम मिलता है तो उसी समय प्यूपा में तबदील हो जाती है। उन्होंने बताया कि कुछ समय बाद तीतली बनकर अंडे देना शुरू कर देती है। इस अभियान से जानकारी लेकर किसानों ने आश्वासन दिया कि बनछटियों के ढेर को झडक़ा कर बचे हुए अवशेष को नष्ट करके गुलाबी सुंडी का खात्मा करेंगे। केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक डा. अमरप्रीत सिंह ने भी किसानों को गुलाबी सुंडी की रोकथाम के लिए तकनीकी जानकारी दी गई और अपील की कि प्रत्येक कपास उत्पादक किसान अपने खेतों में पड़ी बनछटियों को झाडक़र अन्य स्थान पर रखें, जिससे 70 से 80 प्रतिषत गुलाबी सुण्डी नियंत्रण में होगी और कपास की पैदावार अच्छी होगी।

इस मौके पर खंड कृषि अधिकारी रमेश कुमार तकनीकी सहायक, तकनीकी सहायक दिनेश कुमार व किसान रामस्वरूप, रामकिशन, रविन्द्र, दौलत कुमार, रविन्द्र कुमार इत्यादि काफी संख्या में किसान मौजूद थे।

तेज आवाज में डीजे चलाने पर तीन युवक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद।गिरफ्त में पकड़े गए युवक।

तेज आवाज में डीजे चलाने पर पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ ध्वनि प्रदूषण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर इन्हें गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मौके से डीजे के सामान को भी जब्त कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना शहर फतेहाबाद के अंतर्गत आने पड़ी हुडा पुलिस चौकी की टीम एएसआई तेजपाल के नेतृत्व में गश्त के दौरान गांव बरसीन के बस अड्डे पर पहुंची तो उन्हें ऊंची आवाज में म्यूजिक की आवाज सुनाई दी।

पुलिस जब मौके पर पहुंची तो देखा कि रवि निवासी बरसीन के घर पास से प्लाट में जोर-जोर से डीजे बज रहा था। डीजे मालिक ने अपना नाम रणजीत निवासी भूथन बताया। डीजे चलाने वालों ने अपने नाम विकेश पुत्र सुभाष निवासी भूथन व विक्की पुत्र भागीरथ निवासी अलीपुर बरोटा दिखाया। पुलिस ने जब इनसे डीजे चलाने की परमिशन मांगी तो वह कोई परमिशन नहीं दिखा पाए। इन लोगों ने बिना परमिशन ऊंची आवाज में डीजे चलाकर आम लोगों की शांति में बाधा डाली। पुलिस ने मौके से डीजे के बड़े स्पीकर, लैपटॉप, एम्पलीफायर सहित अन्य सामान को कब्जे में लेकर तीनों युवकों के खिलाफ ध्वनि प्रदूषण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कोर्स का समापन प्रतिभागियों को किए प्रमाण पत्र वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित करते अधिकारी।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सौजन्य से ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा पंचायत भवन में 30 दिवसीय ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण समापन पर पंजाब नेशनल बैंक के एलडीएम संजय कुमार व आरसेटी निदेशक उम्मेद सिंह ने 32 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कमाना की और कहा कि इस प्रशिक्षण से महिलाएं आत्मनिर्भर समाज का हिस्सा बन सकेंगी। उन्होनें सभी महिलाओं को आगे बढऩे के लिए प्रेरित किया और अपनी मेहनत का लोहा मनवाने की सीख दी।उन्होंने कहा कि महिला वर्ग को अपने अंदर छिपी प्रतिभा को पहचानते हुए आत्मनिर्भर बनने के लिए लक्ष्य की तरफ कदम बढ़ाने की बेहद सख्त जरुरत है एक महिला दो परिवारों की जिंदगी संवारने का कार्य करती है। इस तरह के कैंप महिला वर्ग के अंदर की प्रतिभाओं को निखारने का काम करते हैं। मगर इस प्रतिभा को आगे कायम रखने की जिम्मेदारी स्वयं महिला वर्ग को ही उठानी पड़ेगी और अपना खुद का रोजगार शुरू करने के लिए आवश्कता अनुसार ऋण के लिए आवेदन करके बैंक द्वरा संचालित मुद्रा योजना व विभिन्न अनुदानित योजनाओ का लाभ उठाये। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिभागी एक लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने की दिशा में कदम बढ़ाये। इस अवसर पर आरसेटी निदेशक उम्मेद सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को संस्थान की उपलब्धियों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की।

शनि मंदिर में श्री बालाजी के महासंकीर्तन का भव्य आयोजन, भजनों पर थिरके श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। अतिथियों को सम्मानित करते श्री बालाजी हनुमान सेवा मंडल के सदस्य।

श्री बालाजी हनुमान सेवा मंडल की ओर से पुरानी तहसील चौक में स्थित श्री शनि मंदिर परिसर में 18वां विशाल बालाजी का महासंकीर्तन आयोजित किया गया। इस महासंकीर्तन में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने मत्था टेका। बालाजी के भजनों पर श्रद्धालु जमकर थिरके। प्रमुख समाजसेवी देवीदयाल तायल के सान्निध्य में आयोजित महासंकीर्तन में ज्योति प्रचंड विनोद गर्ग भिरडाना वाले ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अग्रवाल सभा के प्रधान सुभाष गर्ग, मनोज अग्रवाल बबलू मौजूद रहे और अध्यक्षता मंडल के प्रधान प्रदीप बंसल सोनू ने की। संकीर्तन में कलाकार मुकेश राही, सोनू राजस्थानी हिसार, दास अमित मुंजाल व अवधेश सावन ने श्री बालाजी का गुणगान किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर जिला परिषद की चेयरमैन सुमन सुभाष खिचड़, एडवोकेट रविंद्र तायल, एडवोकेट अनिल सक्सेना, भारत भूषण गर्ग एडवोकेट, भीमसैन असीजा, नप उपप्रधान सविता टुटेजा, सुरेंद्र नायक, संजीव सचदेवा, दलीप गोयल, श्याम सुंदर बंसल, मंगत मित्तल भी मौजूद रहे। महासंकीर्तन में मदन गर्ग, देवेंद्र पुनिया, रामअवतार जैन, डॉ.गिरीश, तरूण गोयल, पीयुष जैन, सोनू शर्मा, राकेश शर्मा सहित शहर के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। मंच संचालन सुशील बंसल ने किया। इस अवसर पर श्री बालाजी हनुमान सेवा मंडल के संरक्षक ज्ञानचंद मित्तल, उपप्रधान बजरंग शर्मा, महासचिव मनोज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शंकर बंसल, सह सचिव कमल वर्मा आदि मौजूद रहे।

एनएसएस कैंप में वॉलिंटियर्स को यातायात नियमों बारे दी जानकारी

फतेहाबाद। गांव बहबलपुर स्थित मुख्त्यार सिंह मैमोरियल पीजी कॉलेज में आयोजित एनएसएस के सात दिवसीय विशेष कैम्प के तीसरे दिन गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के फील्ड के ऑर्डिनेटर वाईआरसी सुरेंद्र श्योराण मुख्य वक्ता को आमंत्रित किया की गया। कैम्प में पहुंचने पर महाविद्यालय प्रबंधन समिति चेयरमैन डॉ. हरमिंदर सिंह, प्राचार्य डॉ. ओपी नागपाल व कार्यक्रम अधिकारी अमनदीप कौर द्वारा स्वागत किया गया। सुरेन्द्र श्योराण ने कैंप में भाग ले रहे वॉलिंटियर्स को यातायात नियमों पर व्याख्यान दिया। उन्होंने सडक़ सुरक्षा के महत्व के बारे में भी बताया। उन्होंने वॉलिंटियर्स को सिग्नल कलर, संकेत, सीट बेल्ट, हेलमेट के उपयोग व एयरबैग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सडक़ पर यातायात नियमों का पालन कर हम अपने व दूसरों की जान बचा सकते हैं।

जैन भागवती दीक्षा समारोह में दिक्षार्थी कविता जैन ने ग्रहण की दीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

टोहाना। दीक्षा समारोह में उपस्थित राज्य सभा सांसद सुभाष बराला व अन्य श्रद्धालु।

नई अनाज मंडी परिसर में गुरु फकीर सहज जैन चैरिटेबल ट्रस्ट एवं एसएस जैन सभा माडल टाऊन द्वारा जैन भागवती दीक्षा समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली सहित आसपास के शहरों से हजारों की संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने शामिल होकर दीक्षार्थी कविता जैन को मंगल एवं शुभकामनाएं प्रदान की। युवा प्रेरिका जैन महासाध्वी डॉ. शिव प्रज्ञा जी महाराज के पावन सानिध्य में दीक्षा रस्म का आयोजन किया गया, जिसमें वैरागन कविता जैन के परिवार के सदस्यों व रिश्तेदार भी उपस्थित रहे, वहीं कुटिया शांत सरोवर से भी संत मंडली के साथ सेवादार विराजमान उपस्थित रहे। समारोह में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, पूर्व विधायक निशान सिंह, नप चेयरमैन नरेश बंसल, डॉ. शिव सचदेवा, अनाज मंडी के पूर्व प्रधान प्रधान जगननाथ गोयल, मानव सेवा संगम प्रधान सतपाल नन्हेड़ी, उद्योगपति टेकचंद मोदी, रजनीश बंसल, सुरेश सिंगला, भूषण बंसल, ज्ञानीराम बंसल, अग्रवाल सभा प्रधान रमेश गोयल, कृष्ण बंसल, प्रेम गर्ग, जोगीराम जैन, नरेश गोयल, मंजुल जैन, पवन बंसल, विकास गर्ग, अजय जिंदल, सुभाष तगेजा, महेंद्र जैन सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे। संस्था की ओर से गुरु फकीर सहज जैन चैरिटेबल ट्रस्ट प्रधान नरेश जैन, सचिव महेश जैन, अमृत लाल जैन आदि ने संतों व अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर साध्वी डा. शिव प्रज्ञा ने दीक्षार्थी वैरागन कविता जैन की दीक्षा रस्म अदा करवाई। इस अवसर पर पूरा वातावरण नमोकार मंत्र से गूंज उठा।उल्लेखनीय है कि जैन महासाध्वी डॉ. शिव प्रज्ञा जी के सानिध्य में इससे पूर्व 21 अगस्त 2024 को चातुर्मास के दौरान वैरागन विधि जैन का दीक्षा समारोह आयोजित हुआ था।

उसके उपरांत जैन महासाध्वी अपना चातुर्मास संपन्न कर हिमाचल प्रदेश की ओर रवाना हो गए थे। इस दौरान वैरागन कविता जैन द्वारा दीक्षा करने की अर्ज पर तथा टोहाना वासियों के निवेदन पर साध्वी डा. शिव प्रज्ञा पदयात्रा करते हुए टोहाना पहुंची और यहां दीक्षा का विशाल समारोह उनके सानिध्य में आयोजित किया गया।

समाधान शिविर में आई तीन शिकायतें डीडीपीओ अनूप सिंह ने सुनी समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनते डीडीपीओ अनूप सिंह।

लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में डीडीपीओ अनूप सिंह ने आमजन की शिकायतों को सुना। सोमवार को समाधान शिविर में तीन शिकायतें आई। उन्होंने समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र, दिव्यांग पेंशन, बुढ़ापा पेंशन, अवैध कब्जे इत्यादि से संबंधित शिकायतों को सुना और संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रशासन का हरसंभव प्रयास रहता है कि समाधान शिविर में प्राप्त हो रही प्रत्येक शिकायत का मौके पर ही समाधान किया जाए। जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर प्रतिदिन समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जा रहे हैं। अगर किसी नागरिक को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ लेने में समस्या है तो वे आयोजित इन शिविरों में अपनी शिकायत का त्वरित समाधान करवा सकते हैं। समाधान शिविर का मुख्य उद्देश्य जनता की शिकायतों का मौके पर समाधान करना है। ये शिविर प्रशासन और आम जनता के बीच संवाद का सशक्त माध्यम है और इससे नागरिकों को उनकी समस्याओं के निवारण के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। एक ही छत के नीचे समस्याओं का समाधान होने से नागरिकों को राहत मिली है। शिविर में आने वाली समस्याओं को मौके पर गंभीरता से सुना जाता है और त्वरित समाधान प्रक्रिया शुरू की जाती है। विभिन्न विभागों के अधिकारी एक ही स्थान पर मौजूद रहते हैं।

महिला कॉलेज में लैंगिक समानता विषय पर व्याख्यान

- लैंगिक भेदभाव से व्यक्ति नहीं बल्कि पूरा समाज प्रभावित होता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

शहीद दविन्द्र सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में लैंगिक समानता विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। महिला प्रकोष्ठ के संयोजन में आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता डॉ. नेहा गर्ग आईजी स्नातकोत्तर राजकीय महाविद्यालय टोहाना रही। लैंगिक समानता विषय पर छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समाज में लैंगिक समानता होनी आवश्यक है, जिससे पुरुषों और महिलाओं को समान अधिकार, अवसर और सम्मान मिलना है। यह केवल एक सामाजिक आदर्श नहीं, बल्कि आवश्यक सिद्धांत है, जो समाज की प्रगति के लिए जरूरी है। शिक्षा, रोजगार, राजनीति और घरेलू जीवन में समानता से महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है, जिससे समाज अधिक न्यायसंगत और समृद्ध बनता है।

लैंगिक भेदभाव से न केवल व्यक्ति बल्कि पूरा समाज प्रभावित होता है। समतामूलक समाज के निर्माण के लिए जागरूकता, कानूनों का पालन और मानसिकता में बदलाव आवश्यक है। जब पुरुष और महिलाएं समान रूप से आगे बढ़ेंगे, तभी सशक्त समाज की स्थापना होगी। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो रीतु ने वक्तव्य को छात्राओं के लिए ज्ञानवर्धक बताया। इस अवसर पर डॉ राजेन्द्र कुमार, मुक्ता शर्मा, ज्योती, महिला प्रकोष्ठ सदस्य और छात्राएं उपस्थित रही।

धर्म कर्म श्री कृष्ण प्रणामी निज धाम चोपटा में श्री मद्भागवत कथा शुभारंभ पर निकाली कलश यात्रा

भगवान का भजन कीर्तन अवश्य करना चाहिए: साध्वी

- भगवान का भजन कीर्तन अवश्य करना चाहिए। कभी भी मानव रूपी शरीर का घमंड नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रंथ, शास्त्र , वेद पुराण हमारे सोए हुए ज्ञान को जगाते हैं : साध्वी प्रभाकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

सिरसा। कथा शुभारंभ पर कलश यात्रा निकालते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

श्री कृष्ण प्रणामी निज धाम चोपटा में वार्षिक उत्सव के तहत श्री मद्भागवत कथा का शुभारंभ किया गया। कथा शुभारंभ से पहले कथा वाचक साध्वी प्रभाकर की अगुवाई में श्रद्धालुओं ने कलश व ध्वजा यात्रा निकाली। इस दौरान चोपटा के भादरा रोड़, नोहर रोड व भट्टू रोड पर भगवान के भजनों पर श्रद्धालू झूम उठे। कथा हर रोजा 11 बजे से 3 बजे तक आयोजित की जाएगी . कथा शुभारंभ करते हुए कथावाचक साध्वी प्रभाकर ने कहा कि सत्संग में आने से मनुष्य को ज्ञान की प्राप्ति होती है तथा अज्ञानता का नाश होता है । इसलिए जहां सत्संग हो वहां मनुष्य को अवश्य जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान का भजन कीर्तन अवश्य करना चाहिए। कभी भी मानव रूपी शरीर का घमंड नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रंथ, शास्त्र , वेद पुराण हमारे सोए हुए ज्ञान को जगाते हैं । और सत्संग भजन कीर्तन में भाग लेकर जीवन को सफलता की ओर अग्रसर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें परमात्मा का स्मरण करते रहना चाहिए तथा सदा सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। श्रद्धालु कलश यात्रा के दौरान भगवान के भजनों पर झूम उठे । 9 मार्च को कथा समापन अवसर पर भंडारा लगाकर प्रसाद वितरित किया जाएगा. इस अवसर पर संतोष, प्रमिला, गुड्डी, गिरदावरी, सुलोचना सहित कई लोग मौजूद रहे।